# महावीरा कृषि समाचार

YEAR 3 | EDITION 4 अगस्त, 2025 www.rmphosphates.com

## एग्रीकल्चर News:

### AI कैसे किसानों की मदद करता है?

#### 1. मौसम की जानकारी:

AI आधारित ऐप्स मौसम का सटीक पूर्वानुमान देते हैं, जिससे किसान सही समय पर बुआई और कटाई कर सकते हैं।

#### 2. बीमारियों और कीट पहचान:

मोबाइल ऐप की मदद से फसल की बीमारी और कीट की पहचान तुरंत होती है, और इलाज का सुझाव भी मिलता है।

#### 3. स्मार्ट सिंचाई और खाद प्रबंधन:

AI सेंसर यह बताते हैं कि कितना पानी और उर्वरक देना है, जिससे लागत कम और फसल ज्यादा होती है।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
MAHAVEERA ZITRON

### 4. फसल उपज का अनुमान:

AI मॉडल फसल की उपज का पूर्वानुमान देते हैं, जिससे किसान बेहतर योजना बना सकते हैं।

### 5. बाजार जानकारी:

किसान AI ऐप्स से मंडी भाव जान सकते हैं और फसल को सही समय पर अच्छे दाम में बेच सकते हैं।

### 6. ड्रोन और रोबोट तकनीक:

खेत की निगरानी, छिड़काव और फसल विश्लेषण में मदद करते हैं — जिससे श्रम और समय दोनों की बचत होती है।

## फायदे:

- उपज में वृद्धि (10–40%)
- लागत में कमी
- संसाधनों की बचत
- स्मार्ट खेती और बेहतर निर्णय

# धान (Paddy) की खेती कैसे करें?

धान एक प्रमुख अनाज फसल है जो विशेष रूप से गर्म और आद्र्र (नमी वाले) क्षेत्रों में उगाई जाती है। भारत सहित कई एशियाई देशों में यह मुख्य भोजन का स्रोत है।

RMPCL
आ गया है एकसाथ 5 पोषक तत्वों वाला
5 का दम
महावीरा ज़िरोंन सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZITRON

## मौसम और जलवायु

- **उगने का सही समय:** खरीफ (बरसात) मौसम – जून से अक्टूबर
- **आदर्श तापमान:**
  - अंकुरण: 20–35°C
  - फूल आने और दाने बनने पर: 20–25°C
- **वर्षा:** 100–150 सेमी उपयुक्त

## भूमि और मिट्टी

- **उत्तम मिट्टी:** दोमट या चिकनी मिट्टी, पानी रोकने की क्षमता अच्छी होनी चाहिए।
- **pH:** 5.5–7.0 (थोड़ी अम्लीय से लेकर न्यूट्रल)

## खेती की विधियाँ

| विधि | विवरण |
|---|---|
| नर्सरी से रोपाई (Transplanting method) | सबसे आम विधि; पहले बीजों की नर्सरी तैयार करते हैं, फिर 25–30 दिन के पौधे मुख्य खेत में रोपते हैं। |
| सीधी बुआई (Direct seeding) | बीज सीधे खेत में बोए जाते हैं; कम पानी और श्रम की आवश्यकता |
| SRI पद्धति (System of Rice Intensification) | कम बीज, कम पानी, लेकिन ज्यादा उपज; वैज्ञानिक तरीका |

## बीज की तैयारी

(प्रति हेक्टेयर बीज की मात्रा)

- **ट्रांसप्लांटिंग के लिए:** 25–30 किग्रा
- **सीधी बुआई के लिए:** 60–80 किग्रा
- **बीज शोधन:** बुवाई से पहले फफूंदनाशक (fungicide) जैसे Carbendazim में उपचार करें।

## सिंचाई और जल प्रबंधन

- धान को अधिक पानी चाहिए, लेकिन हर समय जलभराव जरूरी नहीं
  - प्रमुख समय: रोपाई के समय
  - फूल आने और दूध अवस्था (milky stage) में

RMPCL

किसान भाइयों की हर परेशानी का
सिर्फ एक ही इलाज

महावीरा ज़िरोंन, वॉटर सॉलयुबल खाद
और सूक्ष्मतत्वों का साथ

# खाद और उर्वरक

## धान की फसल में पोषक तत्वों का प्रबंधन (अनुशंसित उर्वरक की मात्रा - KG 48:24:16) प्रति एकड़

| अवधि | Mahaveera Ziron Power Plus | MOP | Urea | Symtron | Amitron-Z | Boron 20% | Zintawik |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | KG | KG | KG | KG | ML | GM | ML |
| बुवाई के समय | 150 | 26 | 30 | 4 | 0 | 0 | 0 |
| 25-30 दिन बाद में | 0 | 0 | 30 | 0 | 0 | 0 | 250 |
| 45-50 दिन बाद में | 0 | 0 | 30 | 0 | 500 | 250 | 0 |
| 75-80 दिन बाद में | 0 | 0 | 15 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| कुल मात्रा | 150 | 26 | 105 | 4 | 500 | 250 | 250 |
| जल घुलनशील उर्वरक 4-5 ग्राम/ लीटर पानी में | 30-35 दिन की अवधि में 12:61:00 का, 50-55 दिन की अवधि में 00:52:34 का तथा 70-75 दिन की अवधि में 00:00:50 का एक बार छिड़काव अवश्य करें। | | | | | | |

## उपज

- **पारंपरिक विधियों में:** 30–40 क्विंटल प्रति हेक्टेयर
- **उन्नत विधियों से:** 50–70 क्विंटल प्रति हेक्टेयर

# महावीरा एग्री एड्वाइज़री

## धान में जिंक की कमी से कौन सा रोग होता है?

धान में जिंक की कमी तब होती है जब मिट्टी में जिंक की मात्रा कम हो जाती है या मिट्टी में मौजूद जिंक पौधों द्वारा अवशोषित नहीं हो पाता।

यह समस्या कई कारणों से उत्पन्न हो सकती है, जैसे कि मिट्टी का pH असंतुलित होना, अत्यधिक पानी का जमाव, और मिट्टी में जैविक पदार्थों की कमी।

जब मिट्टी में जिंक की कमी होती है, तो यह पौधों की स्वस्थ वृद्धि और विकास को प्रभावित करता है।

- **पत्तियों का पीला होना:** जिंक की कमी का सबसे सामान्य लक्षण पत्तियों का पीला होना है।
- **पत्तियों की विकृति:** जिंक की कमी से पत्तियों का आकार और रूप बदल सकता है।

RMPCL
महावीरा ले कर आया है अपने किसान भाइयों के लिए
उत्तम जल घुलनशील उर्वरक उम्दा क्वालिटी के साथ
MAHAVEERA ZIRON

## धान में लगने वाला खैरा रोग के लक्षण बताए ??

- रोग से प्रभावित होने पर पत्तियों पर हल्के पीले रंग के धब्बे उभरने लगते हैं।
- कुछ समय बाद धब्बों के आकार एवं रंग बदलने लगते हैं।
- रोग बढ़ने के साथ धब्बे गहरे कत्थई रंग के हो जाते हैं।
- रोग से प्रभावित जड़ों का रंग भी कत्थई होने लगता है।

## मक्का की फसल मे लाल सड़न रोग के बारे मे बताए ??

- **कारण:** Fusarium spp.
- **लक्षण:** भुट्टे में दाने सड़ जाते हैं, भुट्टा लाल या गुलाबी रंग का हो जाता है।

**तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े: 8956926412**

चमत्कारी हैं ये सातों, शक्ति से भरपूर,
फसल चाहे हो भी हो उत्पादन बढ़ेगा जरूर।

**पानी में घुलनशील उर्वरक**

सभी फसलों के लिए उपयुक्त

**कृषि संपन्नता को करें साकार,**
**आज, कल और हमेशा**

RMPCL
आ गया है एकसाथ 5 पोषक तत्वों वाला
5 का दम
महावीरा ज़िरोंन सभी फसलों के लिए मान्य
MAHAVEERA ZITRON

# महावीरा यशोगाथा

**बलबिन्दर सिंह**
**अंबाला, हरियाणा**
**फसल- धान**
**प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन**

मैं DAP खाद का इस्तेमाल करता था पर इस बर्ष मैंने DAP न मिलने की वजह से महावीरा ज़िरोंन का अपनी धान की फसल में उपयोग किया और बहुत अच्छा उत्पादन प्राप्त किया। मैंने महावीरा ज़िरोंन का उपयोग धान के साथ साथ सरसों की फसल में भी किया है और दोनों ही फसलों में मुझे DAP की की अपेक्षा बहुत ही अच्छा उत्पादन मिल है और किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। महावीरा ज़िरोंन के परिणाम से बहुत खुश हूँ और सभी किसानों भाइयों को मैं ज़िरोंन का कम से कम एक बार इस्तेमाल करने की सलाह दूंगा।

**राहुल पटेल**
**होशंगाबाद, मध्य प्रदेश**
**फसल- धान**
**प्रोडक्ट- महावीरा ज़िरोंन**

मैंने महावीरा ज़िरोंन का उपयोग अपनी सभी फसलों में करता आया हूँ और बहुत अच्छा परिणाम प्राप्त किया है। इस बार मैंने 6 एकड़ धान की फसल में महावीरा ज़िरोंन को 2 बोरी प्रति एकड़ में उपयोग किया और इसके अलावा कोई उत्पाद या खाद या पोषक तत्वों का उपयोग नहीं किया। इस बार धान के खेत में हरापन बना हुआ है और कल्लों की मोटाई भी बहुत अच्छी है जिससे मुझे अच्छी लंबी बालियाँ देखने को भी मिली है। मैं सभी किसानों भाइयों को कम से कम एक बार ज़िरोंन का इस्तेमाल करने की सलाह दूंगा।

RMPCL
तुरंत एक्सपर्ट कृषि सलाह व समाधान पाये, आज ही हमसे कॉल द्वारा जुड़े : 8956926412
MAHAVEERA ZIRON